

कानपुर महानगर

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए समाज को करना होगा कार्य- मोहन भागवत

तालाब भरने के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन

कानपुर। महाराजपुर में एक पुराने तालाब में मिट्टी भरने के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों और महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को देखते हुए जेंडरी चालक और मजदूर मौके से भाग गए। नवरत्न तहसील के कस्बा सरसौल स्थित इस प्राचीन तालाब को लेकर ग्रामीणों का आरोप है कि राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से इसे भूमिकर में परिवर्तित कर दिया गया। गवर्नर राज से तालाब में मिट्टी भरने का काम तेजी से चल रहा था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह तालाब बारिश के पानी और घेरू जल निकासी का प्रमुख स्रोत है। अपनी इस वाया के दौरान वह क्षेत्र और कानपुर प्रांत से जुड़े प्राचारों के साथ बैठक कर अक्षरू में नीने वाले संघ के शताल्दी वर्ष की कार्ययोजना तैयार करते हैं। इसे पूरे दश में अभियान के तौर पर लाग किया जाएगा। अपने संबोधन में मोहन भागवत ने कहा कि भारत के हिंदू समाज के लिए समाज को कार्य करना होगा। भारत हिंदू समाज के देखता है। संघ जीवन है। संघ का कार्य सबके जीवन में सुचिता और कर्णण लाना है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास आपसी मतभेदों से भरा रहा है, जिसका लाभ विदेशी आक्रमणों ने उठाया। हम विभाजन और वैमनस्य में उत्तर रहे और इसी कारण भारत को न केवल लुटा गया, बल्कि अपमानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि आज जब कई स्वयं को हिंदू समाज का धरा है, तो उसकी जिम्मेदारी बनती है कि वे भारत के पुनर्निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदू समाज को संगठित करना आज की अवश्यकता है और यही कार्य संघ वर्षों से करता आ रहा है। भागवत ने संघ की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ अपने स्वयंसेवकों की प्रतिबद्धता और परिश्रम पर आधारित संस्था है। वह समाज से केवल उनके कार्यों के लिए सहयोग लेता है, अपने संचालन के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि संघ विलासियों विश्वास नहीं करता, बल्कि सदाचारी और श्रम ही उसकी पहचान है। संघ कार्ययोजनों के निर्माण में भी वही अनुकूलन और मानक अपनाएं जाते हैं जो नगर निगम जैसी संस्थाओं में होते हैं।



बाबा साहब ने हिंदू समाज को विषमता से बाहर लाने का काम किया

आरएसएस चीफ ने कहा कि भीमराव अंबेडकर का भाव था कि हिंदू समाज को विषमता से बाहर लाने के लिए पूरा जीवन व्यतीत कर दिया जाए। उनका समाज था कि असमानता और एक दूसरे के प्रति विषमता को बढ़ाव करने का प्रयास किया जाए। बाबा साहब को जीवन में बड़ी विषमताओं का सामना करना पड़ा। बचपन से विषमता का सामना किया। उन्होंने जीवन भर हिंदू समाज का एकत्र करने के लिए प्रयास किया। मोहन भागवत ने कहा कि ये सौभाग्य है कि आज बाबा साहब के जन्मदिवस पर केशव भवन का उद्घाटन हो रहा है। डॉ अंबेडकर जब महाराष्ट्र में कारडी की शाखा में शामिल हो गए तो उन्होंने कहा था कि कुछ बातों में हमारे संघ के बीच मतभेद है, फिर भी संघ को अपनत्व के भाव से देखता हूं। मोहन भागवत ने कहा कि डॉ अंबेडकर व संघ के स्थापक डॉ हेडोवार दोनों ने हिंदू समाज के लिए काम किया। दोनों का विचार इस देश को आगे बढ़ाने का था।

मूर्तिकार, मिस्त्री व मजदूर को किया सम्मानित

सरसंवेशालक मोहन भागवत ने भारत माता की मूर्ति बनाने वाले कलाकार राजीव सिंह का सम्मान किया। साथ ही भवन का निर्माण करने वाले मिस्त्री व मजदूर विजय कुमार, पुष्णा, रंजीत कुमार, तारा का भी समान किया।

आज व कल सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

आरएसएस प्रमुख 15 तथा 16 अप्रैल को संघ के छह आयाम में से एक सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद 15 को ही कायला नगर और 16 को निराला नगर की शाखा में शामिल होने जाएंगे। 17 को संघ प्रति कार्यकर्ताओं के साथ संघ शताल्दी वर्ष में संघ पंच परिवर्तन को लेकर चर्चा की जाएगी।

17 को होगी बड़ी बैठक पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समस्तान परिवारिक मूल्य और स्ववंश पर चिन्तन होगा। इस पर प्रमुख रूप से चिंतन 17 अप्रैल को प्रांतीय कार्यकर्ताओं की बैठक में होगा। संघ प्रमुख प्रति में ही रहे कार्यों की समीक्षा भी करेंगे।



धूमधाम से मनाई गई डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती



-कलेक्टरेट सभागार में डीएम ने बाबा साहब की चिरंपात्र पर श्रद्धा सुनन किया अर्पित कानपुर। कलेक्टरेट सभागार में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने बाबा साहब के चिरंपात्र पर पूर्वानुष्ठान अर्पित करते हुए नमन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान के नियमों के अनुरूप हैं। हम सभी को अपने विचारधारा, उनकी सीख को आत्मसात करना चाहिए। सभी लोग समाज के देश को अपने बढ़ाने के कार्य करें। डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन और योगदान पर अपने विचार साझा किया। इनके बाद शिवम ने भारत रक्त के समर्पित एक मार्मिक कविता पढ़ा किया। अत्र परिषद के अध्यक्ष रोहित विंह ने सभा को संबोधित करते हुए डॉ अंबेडकर की विचारस्त्रव के लिए आयोजित होने वाले रोमांचक कार्यक्रमों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन और योगदान पर अपने विचार साझा किया। इनके बाद शिवम ने भारत रक्त के समर्पित एक मार्मिक कविता पढ़ा किया। अत्र परिषद के अध्यक्ष रोहित विंह ने सभा को संबोधित करते हुए डॉ अंबेडकर की विचारस्त्रव के लिए आयोजित होने वाले रोमांचक कार्यक्रमों की सारी विवरणों को लेकर शिवम ने भारत रक्त के समर्पित एक मार्मिक कविता पढ़ा किया। अत्र परिषद के अध्यक्ष रोहित विंह ने सभा को संबोधित करते हुए डॉ भीमराव अंबेडकर के अध्यक्ष संघर्ष और आशुकिन भारत को आकार देने वाले समाजिक आंदोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। अत्र परिषद के अध्यक्ष एवं समाजिक जिम्मेदारी के साथ करें। इस अंसर पर एडीएस स्टार्ट डॉ राजेश कुमार, एडीएम न्यायिक चंद्रेश्वर, एडीएम वित्त एवं राजस्व राजेश कुमार व अन्य अधिकारी वर्कर्सी भौमूल्य और मौजूद रहे।

बाबा साहब की जयंती पर विविधोत्सव

राष्ट्रीय यवा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

कानपुर। छैंप्रति शाह जी नाराजग विश्वविद्यालय में समावर को विविधोत्सव का विवरण दिया गया। अन्य समावरों को अपने विविधोत्सव का विवरण दिया गया।



बाबा साहब की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे

कानपुर। सपा कायांलय में सोमवार डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर वृहद पौंडीए सम्मेलन का आयोजन जयंती की अवधिकारी की विवरण दिया गया। कायांक्रम की अध्यक्ष हाजी फजल महमूद व संचालन वर्ष उपाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव मिन्टू ने किया। नगर अध्यक्ष ने अपनी सामर्पणों को अपने माता-पिता का समर्पण करने के लिए एक गहरा संदेश साझा किया, जिसे उन्होंने व्यक्तिगत विविधोत्सव का मार्ग बताया और दान के माध्यम से सामाजिक कल्याण में अपनी पहलों पर प्रकाश डालते हुए करते हुए डॉ भीमराव अंबेडकर के अध्यक्ष संघर्ष और आशुकिन भारत को आकार देने वाले समाजिक आंदोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। अत्र परिषद के अध्यक्ष एवं विविधोत्सव का अधिकारी ने जीवन और योगदान के लिए एक गहरा संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि 274 सदस्यों ने 2 साल 1 महीने 18 दिन में 167 बैठकें कर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने दुनिया के सबसे बड़े संविधानों की संरचना की जो हस्त लिपि में पहले लिखा गया, आज संविधान की जब रक्षा से समाज के आधारी पावदान पर खड़े व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं हो पा रहा है और संविधान की बौद्धित अनुसूचित पिछड़ों के हितों की रक्षा रक्षा उनके अधिकारों की सुरक्षा का जो निर्देशक किये। उसे समाज में आज एक मिसाल कायम की गई है, जिसे सपा के गहरा संदेश में पौंडीए अधियायन चलाकर युवा पीढ़ी तथा आम जनता का दिल जीता है, जो 2027 में चमत्कार होगा। उन्होंने कहा कि आज सपा पौंडीए मिशन ने प्रत्येक विधानसभा में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी का जन्मदिन पर एक सबको भाव भी पावड़ी के साथ समाज सद्विष्व वो मजबूत करने का संदेश दिया है। सम्मेलन में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव के के शुक्रवार, पूर्व अध्यक्ष पंडित ओमप्रकाश मिश्रा, नदलाल जयसवाल, राजेव शर्मा, आनंद शुक्ला, परमवीर सिंह पीढ़ी, सुलेखा यादव, अर्पित त्रिवेदी, अरमान खान, के मिश्रा, रमेश यादव, शिवकुमार बलिमक समेत कई लोग मौजूद रहे।

दिव्यांगों की 18 को लखनऊ में होगी बड़ी बैठक



कानपुर। शास्त्री नार सेंट्रल पार्क में राष्ट्रीय विकास पार्टी की बैठक हुई। बैठक में तय किए पिछली वार्ष के नियमों पर बड़ी आपत्ति जारी है। महानांदबन के नेता वीरेन्द्र कुमार ने सरकार पर गंभीर आरोप प्रसाद। उन्होंने कहा कि अधिकारी नहीं मिल पा रहा है। सरकारी नोकरियों में दिव्यांगों को उनके अधिकारों से बीच विवरण दिया जा रहा है। दिव्यांगजन संघर्षों की अन्तर्गत कुछ लोक अपनी जयंती के दिन जनसभा क

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

मुर्शिदाबाद हिंसा

बक्फ संसोधन अधिनियम के कानून बनने की प्रक्रिया के दौरान और उसके बाद विपक्ष का आरोप रहा है कि इस पर उठाई गई आपत्तियों का निराकरण नहीं किया गया। भले ही सरकार ने विपक्ष को मौका देने के लिए जेपेसी बना दी थी लेकिन उसमें भी संतोषजनक बदलाव नहीं किए गए। अब यह सफ हो गया है कि यदि कानून लागू करने से पहले इस पर व्यापक रूप से विचार किया गया होता और सभी पक्षों की उचित सलाहें भी इसमें शामिल किया गया होता तो वह न होता जो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुआ है। कानून बनाने में चूंकि विपक्ष को नजरअंदाज किया गया तो उसने सुमुद्रा के रौप को इस्टोमाल करने के लिए इसे राजनीतिक हथियार बना लिया है। बंगाल की मुख्यमंडी ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कह दिया है कि वह इस कानून को अपने राज्य में लागू नहीं करेगी। इसे केवल एक बयान ही नहीं बल्कि आगे चलकर होने वाली ऐसी घटनाओं को बुनियाद भी माना जाना चाहिए। लेकिन यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता। यदि इस मामले में आम सहमति बनी होती तो कश्मीर से लेकर मणिपुर तक लोग सड़कों पर न उतरते और न उनको इतना व्यापक समर्थन ही मिलता। मुर्शिदाबाद में हिंसा प्रभावित क्षेत्र से सैकड़ों लोगों का पलायन शुरू हो गया है। भाजपा इसे लेकर वहां की सत्तारूढ़ टीएमसी पर आरोप लगाने में जुटी है। बक्फ कानून को लेकर मणिपुर में एक नेता का घर जला दिया गया तो कर्मसीर विधान सभा में भारी हंगामे के बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक समाने ही नहीं आ गए बल्कि नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। बंगाल में जब विधानसभा के चूनाव आ रहे हैं तो सत्तासीन तृणमूल और विपक्षी भाजपा, दोनों ही इस मामले को स्वाभाविक रूप से तूल देती रहेंगी। यह कहना गलत नहीं होगा कि दोनों को चुनाव के लिए एक मजबूत मुद्दा मिल गया है। अन्य राज्यों में इस तरह की प्रतिक्रियाएं आ सकती हैं। लोकतंत्र के लिए यह चिंता का विषय है।

धूम्रपान रोकें

धुआं उड़ाना यानी सिगरेट पीना एक काफी लोकप्रिय व्यसन है। कुछ लोग देखदेखी या सिनेमा में अभिनेताओं की नकल में भी यह शौक करते हैं और खुद को भी उसी तरह का मानते हैं। एक जमाने में स्व. देवानंद की फिल्मों से तो इस शौक को खूब बढ़ावा मिला था। आज भी इसके दीवाने कम नहीं हैं। अब तो किशोरों को इसका मजा लेते हुए देखा जाता है। अब तो युवतियां और महिलाएं भी आराम से यह शौक करती नजर आती हैं। यह पहले ही माना जाता था कि सिगरेट स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अब पता चला है कि धूम्रपान से दुनिया भर में कैंसर जैसे घातक रोगों के मामले बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि धूम्रपान खत्म करने से लाखों लोगों की समय से पहले होने वाली मौतों को रोका जा सकता है। दावा है कि 2050 तक वैश्विक धूम्रपान की दर घटकर पांच प्रतिशत कर हो जाए तो पुरुषों की औसत आयु एक वर्ष और महिलाओं की औसत आयु 0.2 प्रतिशत बढ़ेगी। हालांकि इस बारे में अब लोगों में कुछ जागरूकता बढ़ रही है। हालांकि अक्सर बड़ी उम्र के लोग सोचते हैं कि इसको छोड़ने के लिए अब बहुत देर हो चुकी है लेकिन शोध बताते हैं कि धूम्रपान किसी भी उम्र में छोड़ा जा सकता है। इसीलिए यह भी माना गया है कि अगर धूम्रपान छोड़ने का मौजूदा रुझान जारी रहे तो मध्य शताब्दी तक पुरुषों में धूम्रपान दर घटकर 21 प्रतिशत और महिलाओं में चार फीसदी रह जाएगी। अगर ऐसा हो जाए तो इसे विश्व आबादी के लिए एक बहुत बड़ी उपतिथि माना जा सकता है। अब तो तंबाकू मुक्त पीढ़ी नीति बनाने के बारे में भी अध्ययन हो रहा है जिसका मकसद नई पीढ़ी को तंबाकू के इस्तेमाल से दूर रखना है।

काँव-काँव

दुश्मनों के ड्रोन मार गिरायेगा भारतीय लेजर राणा सांगा तो भाला फेंककर ड्रोन गिरा देते। सुप्रीम फैसले पर झालाये केरल के राज्यपाल खिसियानी बिल्ली चौथे खंभे के सामने रोती है। सहकारिता क्षेत्र में दिख रहे बड़े बदलाव-गृहमंत्री न सहकारी कृषि बच्ची है, न सहकारी उद्योग। हर पांचवें व्यक्ति में है विटामिन डी की कमी पहले चार व्यक्ति इनकम टैक्स के निशाने पर। अवैध बोर्केल से पानी निकालना पाप है।

रामराज्य चालू है देश में, हर करतब पुण्य है। दस लाख करोड़ से देश में बनेंगे नये राजमार्ग खेती किसानी खत्म, अब सिर्फ राजमार्ग बचेंगे।

आठवें वेतन आयोग के गठन में विलंब क्यों

ज नवंबर 2025 में जब केवल सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की, तो देश भव के लावंडी सरकारी कर्मचारियों और फैसलभोगियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ रही। यह घोषणा उनके लिए नियुक्त उत्तम से कम कर्म नहीं थी, क्योंकि वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग जिससे अपेक्षा की जा स्टैंडर्ड है कि वो ने केवल वेतन संरचना को में बदलाव लाया, बल्कि महाई, जीवन यानि की लागत और अधिक परिस्थितियों को ध्यान में रखे। खूब यह घोषणा उनके लिए बहुत अचूक है।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग जिससे अपेक्षा की जा स्टैंडर्ड है कि वो ने केवल वेतन संरचना को में बदलाव लाया, बल्कि महाई, जीवन यानि की लागत और अधिक परिस्थितियों को ध्यान में रखे। खूब यह घोषणा उनके लिए बहुत अचूक है।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को हुए, अब तक सरकार द्वारा घोषणा के अविवाक अन्य कोई कदम इस दिवाने में नहीं उठाया गया। आठवें वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आयोग को बढ़ावा देना वाला था।

जिसमें जनवरी 2026 से लागू किया जाना है, के गठन की घोषणा खूब भी चार महीने बीते को

वट साविंग्री व्रत : वट वृक्ष की पूजा क्यों करती है सुहागिनें?



हिंदू मंदिरों का विशेष धार्मिक महत्व है, जहाँ लोग सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ दर्शन व पूजन के लिए जाते हैं। हालांकि हाँ मंदिर की अपनी अलग महिमा और खासियत है। दावत जीवन और प्रेम संबंधों के लिए देश के कुछ मंदिर बहुत प्रसिद्ध माने जाते हैं। ये मंदिर के कलब वैवाहिक समस्याओं को दूर करने में मददगार माने जाते हैं, बल्कि प्रेम, आपसी समझ और रिश्तों में मधुरता बनाए रखने के लिए भी शुभ माने जाते हैं। देश के ऐसे कुछ मंदिरों में लोगों को अपने जीवनसाथी के साथ एक बार जरूर जाना चाहिए। इन्हाँलु यहाँ आकर अपने रिश्तों को और अधिक प्राप्ति बना सकते हैं। अमर आप भी अपने दावत से लोगों में सुख, समृद्धि और प्रेम बनाए रखना चाहते हैं तो कल्पय के बीच लोकप्रिय इन मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं और अपने रिश्ते को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर सकते हैं।

तिरुमनांचेरी मंदिर
तिरुमनांचु का तिरुमनांचेरी मंदिर विवाह आशीर्वाद के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ स्थित तिरुमनांचेरी मंदिर को विवाह से जुड़ी समस्याओं को करने में दूर करता है। ऐसा कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति शादी में देरी या वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना कर रहा हो, अगर वह सच्चे मन से इस मंदिर में तिरुमनांचेरी मंदिर के मुद्रे में प्रसिद्ध मीनांकी

पूजा करे तो उसे श्रीपति ही विवाह और वैवाहिक सुख का आशीर्वाद मिलता है।

बरसाना राधा गानी मंदिर
मान्यता है कि उत्तर प्रदेश में बरसाना में राधा रानी का जन्म हुआ था। यहाँ राधा रानी का मंदिर है जो प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। इस मंदिर में लड़मार होली मनई जाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की होली और अद्वैतियों को कपल भी दोहराते हैं।

राधा-कृष्ण के अमर प्रेम को अपने जीवन में शामिल करने के लिए प्रेमी जोड़े इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं, ताकि उनका रिश्ता भी मजबूत हो सके। यह मंदिर प्रेम, त्याग और आपसी समझ को बढ़ावा देता है, जिससे रिश्तों में मधुरता बीच रहती है।

मदुरै मीनांकी अम्मन मंदिर

तिरुमनांचेरी मंदिर के मुद्रे में प्रसिद्ध मीनांकी

मंदिर स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव और शक्ति का संगम स्थान माना जाता है। मंदिर भगवान शिव और देवी मीनांकी के दिव्य मिलन का प्रतीक है।

मीनांकी मंदिर एक आदर्श दावत्य जीवन का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

यह मंदिर रिश्तों में विश्वास,

प्रेम और प्रजनन को बढ़ाने में सहायक माना जाता है।

जेजुरी खंडोबा मंदिर

महाराष्ट्र में स्थित जेजुरी खंडोबा मंदिर

को परिवाहिक सुख और प्रजनन क्षमता को बढ़ाने वाला माना जाता है।

यहाँ लोग सुखी और समृद्ध

दावत्य जीवन के लिए आशीर्वाद लेने आते हैं। इस मंदिर में नववर्षाहित जोड़े और संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपति विशेष रूप से दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में जो पति अपनी पत्नी को गोद में उठाकर मंदिर की सीधियों चढ़ाते हुए प्रवेश करते हैं और उन्हें सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

कामालया मंदिर

असम में स्थित कामालया मंदिर 51

शक्तिपीठों में से एक है। यहाँ माता

का बीमी भाग गिरा था, ऐसे में यह

मंदिर स्त्री शक्ति और प्रजनन का

प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि

इस मंदिर में जो पति अपनी पत्नी को

गोद में उठाकर उन्हें अम्मन मंदिर

में दर्शन करते हैं, उन्हें सुखी वैवाहिक

जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

गोबर से क्यों होती है घर की लीपाई? जानें इसका धार्मिक महत्व



आज भी जब हम गांव जाते हैं तो सुख

की पहली किरण के साथ जो सौंपी

खुशबू उठनी थी, वह सिर्फ मिठी की

नहीं, गोबर से लिपे आपांको की होती थी।

यह परंपरा असल में सामान धर्म की उन

गहराइयों से जुड़ी है जहाँ हर वस्तु का

एक दिव्य और वैवाहिक अर्थ हुआ

होता है। गोबर से घर लीपने से वह

शुद्ध और ठंडा बना रहता है। तो आज

की इस खबर में हम आपांको बताने जा

रहे हैं कि पहले के समय में घर को

गोबर से क्यों लीपा जाता है। क्या ये

सिर्फ एक चीज़ ही रही कोई परंपरा

थी, या इसके पछाड़े कुछ कारण थीं थे?

आइए जानें हैं।

क्यों गोबर से लीपा जाता था घर?

सामान परंपरा में गोबर को पवित्रता और

शुद्धता का प्रतीक माना गया है। किनी

भी धार्मिक आयोजन से पहले जब घर

के आंगन को गोबर से लिपा जाता है,

तो वह सिर्फ सफाई नहीं, बल्कि भूमि को

ऊँचाई देने की एक आवश्यकता है। इसलिए कहते हैं कि यहाँ वास्तविक अर्थ हुआ

होता है। यहाँ गोबर में दूध, दही और

गोदान की खाद्यांशों की मिहिमा

मिहिमा की विशेषता है। यहाँ गोबर

में विशेष गुणों की विशेषता है।

गोबर के लिए यह एक अत्यधिक

धूमधारा है। यहाँ गोबर की विशेषता है कि यहाँ गोबर की विशेषता है।

गोबर के लिए यह एक अत्यधिक

धूमधारा है। यहाँ गोबर की विशेषता है।

गोबर की विशेषता है कि यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर की विशेषता है।

गोबर की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है। यहाँ गोबर

की विशेषता है।

